

“सच्ची सफलता वही है, जिसमें हमारी मेहनत के साथ किसी और के जीवन में भी उम्मीद, सुरक्षा और मुस्कान जुड़ जाए।”

परिवहन विशेष समाचार पत्र को जिस तरह आप लोगों के सहयोग लगातार पिछले 3 वर्षों से प्राप्त हुआ और दिन प्रतिदिन आपकी आवाज को आगे पहुंचाने में आपका सहयोगी बना उसको देखते हुए परिवहन विशेष समाचार पत्र के प्रबंधक मंडल और ट्रांसपोर्ट विशेष न्यूज लिमिटेड कंपनी द्वारा जनहित, जनकल्याण जनसूचना और जानकारी को और तेजी से भारत सरकार और राज्य सरकारों के साथ सभी राजनीतिक संगठनों को सबसे पहले पहुंचाने के उद्देश्य से अक्टूबर माह से जनता की आवाज का अपना चैनल "परिवहन विशेष न्यूज दूरदर्शन" शुरू करने का निर्णय लिया है।

जल्द आपके बीच में....

परिवहन विशेष न्यूज दूरदर्शन

बड़ी खुशखबरी! अब आपकी आवाज गुंजेगी पूरी दुनिया में परिवहन विशेष समाचार पत्र के सफल 3 वर्षों के बाद अब नई क्रांति

आशा करते हैं जैसे आपने आज के इस दौर में "परिवहन विशेष समाचार पत्रों" को इतना आगे ले कर जाने में सहयोग दिया उसी प्रकार हमारे द्वारा आपकी आवाज बनने के लिए शुरू किए जा रहे "परिवहन विशेष न्यूज दूरदर्शन" को विश्व का सबसे बड़ा चैनल बनवाएंगे।

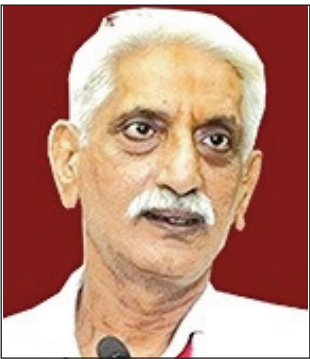


संजय बाठला
मुख्य संपादक

दिल्ली परिवहन में 5 बड़े उल्लंघन - फाइलों में सबूत कैद, जमीन पर कार्रवाई शून्य

दिल्ली परिवहन विभाग - सबूत हैं, आदेश हैं, फिर भी कार्रवाई शून्य: क्या ऐसे बनेगी जाम-मुक्त, प्रदूषण-मुक्त, हादसा-मुक्त दिल्ली?

CAT के टर्मिनेशन आदेश से लेकर 4-पहिया को 3-पहिया में पंजीकृत करने और बिना मानक के ट्रेड सर्टिफिकेट जारी करने तक - 5 सबूत, 5 उल्लंघन, जवाबदेही मौन
परिवहन आयुक्त की चुप्पी पर उठे संवैधानिक सवाल - अनुच्छेद 21, 14, 16 और मोटर वाहन अधिनियम 53, 55, 56 की अनदेखी



रिपोर्ट- संजय कुमार बाठला - खोजी टीम - BOCI दस्तावेज व RTI के आधार पर

राजधानी दिल्ली को जाम-मुक्त, प्रदूषण-मुक्त और हादसा-मुक्त बनाने का दावा हर फाइल में है, पर परिवहन विशेष की एक्सक्लूसिव जांच में सामने आए दस्तावेज, न्यायिक आदेश और विभागीय परिपत्र कुछ और ही कहानी कह रहे हैं। बस एंड कार ऑपरेटर्स कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडिया (BOCI) और RTI से प्राप्त साक्ष्यों के अनुसार, परिवहन विभाग में नियमों की अनदेखी का सिलसिला न्यायिक आदेश के बाद भी जारी है।

5 बिंदु जो जांच मांगते हैं:

1. तकनीकी भर्ती - CAT के आदेश की अवहेलना ?
आरोप: तकनीकी अधिकारियों की भर्ती नियम-विरुद्ध।
सबूत: माननीय Central Administrative Tribunal (CAT) द्वारा भर्ती को अवैध ठहराते हुए सेवा समाप्ति (Termination) का आदेश।
सवाल: जब CAT जैसी न्यायिक

संस्था ने आदेश पारित कर दिया, तो आयुक्त स्तर पर अनुपालन क्यों लंबित है? यह अनुच्छेद 14 और 16 (समानता और निष्पक्ष अवसर) और विधि के शासन के विरुद्ध है।

2. DTO स्तर पर गलत पंजीकरण - 4 पहिया बना 3 पहिया:

आरोप: चार-पहिया यात्री वाहन को तीन-पहिया ऑटो के रूप में पंजीकृत किया गया।

कानूनी उल्लंघन: मोटर वाहन अधिनियम 1988 की धारा 41 (पंजीकरण), धारा 44 और CMVR 1989।

प्रभाव: इससे वाहन का टैक्स, बीमा, परमिट और सुरक्षा मानक सब बदल जाता है। राजस्व हानि और यात्री सुरक्षा दोनों से समझौता। धारा 53 और 55 के तहत ऐसा पंजीकरण निरस्त करने योग्य है।

3. फिटनेस प्रमाण पत्र में गड़बड़ी: आरोप: बिना भौतिक निरीक्षण के चार-पहिया वाहन को तीन-पहिया श्रेणी का फिटनेस प्रमाण पत्र जारी।

कानूनी उल्लंघन: धारा 56 - फिटनेस प्रणाली की विश्वसनीयता ही खत्म।

खतरा: अनफिट कमर्शियल वाहन सड़क पर - सीधे जन-सुरक्षा का मामला।

4. ट्रेड सर्टिफिकेट का खेल - सक्रुलर 25.03.2008 की अनदेखी:

आरोप: ऑपरेशन शाखा द्वारा परिपत्र संख्या F-23 (139)/2007/Tpt/Ops/1971-85 दिनांक 25.03.2008 की अनदेखी कर बिना अधिकृत सर्विस स्टेशन, वाशिंग/ग्रीसिंग सुविधा के ट्रेड सर्टिफिकेट



जारी।

ताजा लिंक: हाल में सत्य निकेतन में बस में आग (06.09.2026) और स्कूल बसों में आगजनी की घटनाएं - कहीं यही लापरवाही तो कारण नहीं? जब सर्विस स्टेशन ही नहीं, तो वाहनों की जांच कैसे?

5. ई-रिक्षा का मुख्य सड़कों पर अवैध संचालन:

आरोप: दिल्ली सरकार के आदेश अनुसार ई-रिक्षा का तेज गति वाली मुख्य सड़कों, नेशनल हाइवे पर परिचालन प्रतिबंधित, फिर भी खुलेआम संचालन।

प्रभाव: जाम, हादसे, यातायात बाधा। प्रवर्तन शाखा की कार्रवाई शून्य।

संवैधानिक और सुप्रीम कोर्ट की नजर में मामला:

अनुच्छेद 21 - जीवन का अधिकार: सुप्रीम कोर्ट ने M.C. Mehta vs Union of India में कहा - सुरक्षित सड़क और प्रदूषण-मुक्त वातावरण जीवन के अधिकार का हिस्सा है।

S. Rajaseekaran vs Union of India (2014): सुप्रीम कोर्ट ने सड़क सुरक्षा लागू करना राज्यों का संवैधानिक दायित्व बताया।

प्रकाशित 5 सबूतों की पड़ताल में परिवहन विशेष को जो दस्तावेज मिले हैं, वे केवल तकनीकी लापरवाही नहीं, बल्कि एक सिस्टम फेल की कहानी कहते हैं।

5 आरोपों की कानूनी पड़ताल: 01. CAT आदेश की अवहेलना -

सबसे गंभीर: तकनीकी अधिकारियों की भर्ती नियम-विरुद्ध होने पर माननीय CAT ने टर्मिनेशन का आदेश दिया। आरोप है कि महीनों बाद भी अनुपालन नहीं हुआ। यह सीधे-सीधे अनुच्छेद 14 (कानून के समक्ष समानता) और 16 (लोक नियोजन में अवसर की समानता) का उल्लंघन है। जब न्यायिक आदेश का पालन न हो तो विधि के शासन पर प्रश्न उठाना स्वाभाविक है।

02. 4-पहिया को 3-पहिया बताकर पंजीकरण - DTO का खेल: यह मोटर वाहन अधिनियम 1988 की धारा 41, 44 और CMVR 1989 के नियम 47 का सीधा उल्लंघन है। 4-पहिया



मालवाहक/पैसेंजर को 3-पहिया ऑटो श्रेणी में पंजीकृत करने से:
- रोड टैक्स में हेराफेरी
- इंश्योरेंस प्रीमियम में गड़बड़ी
- परमिट शर्तों का उल्लंघन

- सुरक्षा मानक (AIS) की अनदेखी कानून कहता है: धारा 53 के तहत ऐसा पंजीकरण निर्लंबित और धारा 55 के तहत निरस्त करने योग्य है।
03. फिटनेस सर्टिफिकेट बिना

संविधान क्या कहता है?

- अनुच्छेद 21: सुरक्षित सड़क, प्रदूषण-मुक्त जीवन - M.C. Mehta vs Union में सुप्रीम कोर्ट ने इसे जीवन के अधिकार में शामिल माना।
- धारा 53, 55 MV Act: गलत पंजीकरण निरस्त करने का अधिकार RTO को।
जब आदेश, सबूत और परिपत्र तीनों मौजूद हैं, फिर भी कार्रवाई नहीं, तो सवाल सिस्टम फेल का नहीं, इच्छाशक्ति और जवाबदेही फेल का है।
परिवहन विशेष की 5 ठोस मांग - जो हम शासन से करते हैं:
1. CAT आदेशों का 7 दिन में अनुपालन और सार्वजनिक रिपोर्ट

2. सभी सदियों 4-पहिया -> 3-पहिया पंजीकरण की RTO - वार फॉरेंसिक जांच और निरस्तीकरण
3. फिटनेस प्रमाण पत्र जारी करने वाले अधिकारियों का ऑडिट और CCTV फुटेज की जांच और फर्जी फिटनेस प्रमाण पत्रों का फॉरेंसिक ऑडिट
4. ट्रेड सर्टिफिकेट की पूरी सूची का Circular 25.03.2008 के मानकों पर स्वतंत्र ऑडिट एवम Circular 25.03.2008 का पालन अनिवार्य
5. ई-रिक्षा प्रवर्तन पर साप्ताहिक चालान रिपोर्ट विभाग की वेबसाइट पर अपलोड हो सम्पादकीय टिप्पणी - परिवहन विशेष की बात: यह रिपोर्ट किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं, व्यवस्था के लिए है। हम मानते हैं कि परिवहन विभाग में ईमानदार अधिकारी भी हैं, पर जब सबूत, आदेश और परिपत्र तीनों मौजूद हैं और कार्रवाई नहीं, तो सवाल उठाना लाजमी है। दिल्ली को जाम-मुक्त, प्रदूषण-मुक्त, हादसा-मुक्त बनाना है तो जवाबदेही तय करनी होगी। व्यवस्था को पारदर्शी बनाने की आवश्यकता है। परिवहन विभाग यदि खुद नियम तोड़ेंगा तो दिल्ली कैसे सुरक्षित बनेगी? अस्वीकरण: परिवहन विशेष का उद्देश्य जनहित में जवाबदेही सुनिश्चित करना है। यह रिपोर्ट BOCI, RTI दस्तावेजों और उपलब्ध रिकॉर्ड पर आधारित खोजी रिपोर्ट है। सभी आरोप संबंधित पक्षों से प्राप्त शिकायतों/दस्तावेजों पर आधारित हैं, जिनकी पुष्टि विभागीय जांच में होनी है।

ग्राहकों को बड़ी राहत - बैंकों की 3 दिन की हड़ताल टली, सभी बैंक खुलेंगे

IBA और UFBU में रात 9:30 बजे बनी सहमति - 5 दिन बैंकिंग और PLI पर कमेटी बनाने पर फैसला

प्रधान संपादक संजय कुमार बाठला
28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित बैंक कर्मचारियों की तीन दिवसीय देशव्यापी हड़ताल टल गई है। शनिवार रात 27 सितंबर को इंडियन बैंक एसोसिएशन (IBA) और यूनाइटेड फोर्म ऑफ बैंक यूनियन (UFBU) के बीच हुई मैथरान बैठक में यह फैसला लिया गया। ANI के अनुसार, बैठक रात 9:30 बजे शुरू हुई थी। इसके बाद UFBU ने आंदोलन टालने का ऐलान किया।

मुख्य बिंदु - 5 बड़ी बातें:
1. हड़ताल क्यों टली - 2 बड़े समझौते:
- पहला मुद्दा - 5 दिन बैंकिंग: सभी शनिवारों को छुट्टी घोषित करने की मांग पर एक कमेटी बनेगी। यह कमेटी सभी स्टेकहोल्डर्स, खासकर बैंक ग्राहकों की जरूरतों को देखते हुए समाधान निकालेगी।
- दूसरा मुद्दा - PLI: स्केल IV और

उससे ऊपर के अधिकारियों के लिए परफॉर्मेंस लिंकड इंसेंटिव (PLI) योजना में यूनियनों की चिंताओं को शामिल कर नया प्रस्ताव सरकार को भेजा जाएगा।
2. पहले क्या हुआ था: इससे पहले 11 सितंबर को बैंक यूनियनों ने एक दिन की सांकेतिक हड़ताल की थी। उसी के बाद 28-30 सितंबर की तीन दिवसीय हड़ताल का ऐलान किया गया था, जो अब टल गई है। 30 सितंबर को बैंकों की छमाही क्लोजिंग भी है, इसलिए हड़ताल से बड़ा संकट खड़ा हो जाता।
3. बैंक कर्मचारियों की 4 मुख्य मांगें क्या हैं?
- हफ्ते में 5 दिन बैंकिंग - सभी शनिवार और रविवार अवकाश - बेहतर पेंशन बेनिफिट - NPS कर्मचारियों को पुरानी पेंशन (OPS) में वापस जाने का विकल्प - लंबित वेतन संशोधनों का निपटारा - परफॉर्मेंस इंसेंटिव से जुड़े मुद्दों का

समाधान
4. कल रविवार को खुले थे बैंक: हड़ताल से पहले 26-27 सितंबर को बैंकें छुट्टी थीं। ग्राहकों को दिक्कत न हो, इसलिए सरकार ने आदेश देकर रविवार को भी सभी सरकारी बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (RRB) खुलवाए थे। RBI ने भी करेंसी चेस्ट और ATM से जुड़ी ब्रांच खोलने की मंजूरी दी थी।
5. आज का स्टेटस: UFBU के संकुलर के अनुसार, रप्रस्तावित आंदोलनकारी प्रोग्राम और हड़ताल की कार्रवाई टाल दी जाएगी। र यानी आज 28 सितंबर सोमवार को सभी बैंक सामान्य रूप से खुलेंगे और कोई रुकावट नहीं होगी।
परिवहन विशेष के पाठकों के लिए सलाह: ग्राहक आज अपने सभी जरूरी काम - कैश जमा, चेक क्लीयरेंस, लोन किस्त - निपटा सकते हैं। अफवाहों पर ध्यान न दें। 'आज बैंक खुलेंगे'।





साप्ताहिकी अंकशास्त्र



डॉ. पूजाप्रसुन एन गोह्ल मैडलिस्ट
Shivoham Shastr
shivohamshastr.com
07303855446

मकर राशि राशिचक्र की दसवीं राशि है। इसका विस्तार 270° से 300° तक माना जाता है। मकर के स्वामी शनिदेव हैं और इसका तत्व पृथ्वी तत्व है। मकर एक चर राशि है, अर्थात् इसमें गति, आरंभ, परिवर्तन और किसी कार्य को आगे बढ़ाने की क्षमता निहित रहती है। साथ ही मकर को पारंपरिक वर्गीकरण में रात्रिबली तथा पृष्ठोदय राशि माना जाता है। बृहत् पाराशर होत शशास्त्र के राशि-वर्णन में मकर को पृथ्वी-स्वभाव, रात्रि में बलवान और पृष्ठोदय बताया गया है।

मकर को केवल "कठोर प्रश्रम" या "महत्वाकांक्षा" की राशि मानना इसके गहरे ज्योतिषीय स्वरूप को बहुत सीमित कर देता है। मकर में पृथ्वी तत्व की व्यावहारिकता, चर राशि की गति और शनि की समय, कर्म, अनुशासन तथा कर्म केवल कुछ प्राप्त करने की नहीं, बल्कि ऐसी संरचना बनाने की होती है जो समय की परीक्षा पारित करे।

मकर राशि का तत्व: पृथ्वी तत्व : मकर राशि का तत्व पृथ्वी तत्व है। पृथ्वी तत्व स्थिरता, वास्तविकता, पदार्थ, संसाधन, संरचना, व्यवहारिकता, धैर्य और परिणाम से संबंधित है। पृथ्वी तत्व व्यक्ति को केवल विचार या कल्पना में रहने नहीं देता, बल्कि किसी विचार को वास्तविक रूप से आगे की दिशा में ले जाता है।

लेकिन मकर की पृथ्वी राशि होने के साथ एक महत्वपूर्ण अंतर है। वृषभ भी पृथ्वी तत्व की राशि है और कन्या भी पृथ्वी तत्व की राशि है, लेकिन मकर चर पृथ्वी है। इसलिए मकर की पृथ्वी केवल स्थिर होकर बैठने वाली पृथ्वी नहीं है। यह ऐसी पृथ्वी है जो सक्रिय करती है, व्यवस्था बनाती है, आगे बढ़ती है और किसी निश्चित लक्ष्य के लिए अपने संसाधनों को संगठित करती है।

मकर का पृथ्वी तत्व व्यक्ति को यह सिखाता है कि किसी भी ऊंची उपलब्धि के लिए मजबूत आधार आवश्यक है। केवल इच्छा प्रभाव नहीं है। केवल ज्ञान पर्याप्त नहीं है। केवल योजना भी पर्याप्त नहीं है। योजना को संरचना, संरचना को अनुशासन और अनुशासन को समय देना आवश्यक है।

इसलिए मकर की मूल भाषा कही जा सकती है:

"विचार को वास्तविकता में बदलो।"
मकर राशि: चर राशि: मकर एक चर राशि है। चर राशियां गति, आरंभ, परिवर्तन, गतिविधि और आगे बढ़ने की शक्ति से संबंधित होती हैं। मेष, कर्क, तुला और मकर चार चर राशियां हैं।

यह एक बहुत महत्वपूर्ण ज्योतिषीय रहस्य दिखाई देता है। मकर के स्वामी शनि हैं, और शनि को सामान्यतः धीमेपन, विलंब, धैर्य और समय का प्रह माना जाता है। लेकिन उसकी राशि मकर चर है। इसलिए मकर में धीमी लेकिन लगातार गति का सिद्धांत दिखाई देता है। मकर आचार्य दौड़ने की बजाय लंबी दूरी की यात्रा के लिए स्वयं को तैयार करता है। उसका उद्देश्य केवल आरंभ करना नहीं, बल्कि ऐसा कार्य करना है जिसे लंबे समय तक चलाया जा सके।

इसीलिए मकर की चर प्रकृति को जल्दबाजी समझना उचित नहीं है। यह संगठित गति, योजनाबद्ध परिवर्तन और क्रमिक प्रगति की चर प्रकृति है। मकर राशि: रात्रिबली: मकर को पारंपरिक ज्योतिषीय वर्गीकरण में रात्रिबली राशि माना जाता है। बृहत्पाराशर होरा शास्त्र के राशि-वर्णन में मकर के लिए रात्रि-बल का उल्लेख मिलता है।

रात्रिबली का अर्थ यह नहीं है कि मकर राशि वाले व्यक्ति केवल रात में ही सफल होते हैं या रात में ही सक्रिय रहते हैं। यह एक शास्त्रीय राशि-वर्गीकरण है। इसका संबंध राशि की पारंपरिक बल-वर्गीकरण से है।

प्रतीकात्मक रूप से रात्रि का संबंध भीतर की प्रक्रिया, धैर्य, चिंतन, गहराई, मौन तैयारी और उस कार्य से जो दिखाई देने से पहले भीतर विकसित होता है, जोड़ा जा सकता है। इसलिए मकर की ऊर्जा कई बार बाहर से शांत दिखाई देते हुए भीतर बहुत लंबे समय तक काम करती रहती है। मकर का एक महत्वपूर्ण गुण यही है कि वह हर उपलब्धि को तुरंत प्रदर्शित करने की आवश्यकता महसूस नहीं करता। वह पहले आधार तैयार कर सकता है और परिणाम को समय के साथ सामने आने देता है।

मकर राशि: पृष्ठोदय राशि: मकर को पारंपरिक रूप से पृष्ठोदय

राशि माना जाता है। पृष्ठोदय का शाब्दिक अर्थ है ऐसी राशि जिसका उदय पीठ या पीछे के भाग से होने वाला माना जाता है। बृहत्पाराशर होरा शास्त्र में मकर को पृष्ठोदय बताया गया है। पृष्ठोदय को केवल भौतिक रूप से पीछे से उदय होने की बात समझना पर्याप्त नहीं है। ज्योतिषीय प्रतीकात्मकता में इसे ऐसी प्रकृति से जोड़ा जा सकता है जिसमें पूर्व अनुभव, पूर्व कर्म, समय और क्रमिक प्रक्रिया महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मकर की पूरी प्रकृति भी इसी सिद्धांत के अनुरूप दिखाई देती है। यह राशि तत्काल परिणाम से अधिक क्रमिक निर्माण को महत्व देती है। अनुभव से अनुशासन, अनुशासन से क्षमता, क्षमता से जिम्मेदारी और जिम्मेदारी से उपलब्धि का निर्माण होता है।

यहां यह सावधानी आवश्यक है कि पृष्ठोदय को सीधे-सीधे देर से सफलता का निश्चित नियम नहीं माना जाना चाहिए। किसी व्यक्ति की सफलता का समय केवल राशि के उदय-स्वरूप से निर्धारित नहीं होता। इसके लिए लगन, भाव, भावेश, ग्रहयोग, दशा, गोचर और संपूर्ण कुंडली देखा जा आवश्यक है।

मकर राशि का स्वामी: शनिदेव: मकर राशि के स्वामी शनिदेव हैं।

शनि कर्म, समय, अनुशासन, श्रम, उत्तरदायित्व, न्याय, व्यवस्था, विलंब, स्थायित्व, जनसमूह, श्रमिक वर्ग, संरचना और कर्मफल के प्रमुख कारक माने जाते हैं। मकर और कुंभ दोनों राशियों का स्वाभिव्यक्ति के पास है। लेकिन मकर में शनि की अभिव्यक्ति विशेष रूप से कर्म और भौतिक संरचना से जुड़ती है। शनि जिस चीज को नियंत्रित करता है उसमें समय लगता है, लेकिन वह चीज यदि सही तरीके से निर्मित हो तो लंबे समय तक टिक सकती है।

इसीलिए मकर का एक महत्वपूर्ण सूत्र है:

"धीमी गति कमजोरी नहीं है, धीमी गति स्थायित्व का आधार भी बन सकती है।"

मकर व्यक्ति कई बार अपने जीवन में ऐसी उपलब्धियां बनाता है जिन्हें केवल प्रतिभा से नहीं बल्कि वर्षों के अनुशासन, अनुभव और निरंतरता से प्राप्त किया जाता है।

मकर राशि और शनि: समय का सिद्धांत:

मकर को समझने के लिए काल को समझना आवश्यक है। शनि समय का प्रह है और मकर कर्म की उस भूमिका प्रतिनिधित्व करता है जहां समय के साथ परिणाम बनते हैं।

मकर हमें सिखाता है कि प्रत्येक उपलब्धि तुरंत प्राप्त होना आवश्यक नहीं है। कुछ उपलब्धियां ऐसी होती हैं जिनके लिए व्यक्ति को स्वयं को तैयार करना पड़ता है।

यही कारण है कि मकर की ऊर्जा में धैर्य, सहनशीलता, अनुशासन और उत्तरदायित्व महत्वपूर्ण हो जाते हैं। लेकिन इन गुणों का वास्तविक फल तभी मिलता है जब व्यक्ति अपनी दिशा स्पष्ट रखे।

मकर का शनि व्यक्ति से पृष्ठता है: "तुम कितने समय तक अपने कर्म के प्रति प्रतिबद्ध रह सकते हो?"

मकर राशि का प्रतीक: मकर: मकर का पारंपरिक प्रतीक मकर है। मकर भारतीया परंपरा में एक जलीय या मिश्रित पौराणिक जीव के रूप में वर्णित होता है। विभिन्न परंपराओं में इसके स्वरूप का चित्रण अलग-अलग रूपों में मिलता है। इसे केवल पश्चिमी बकरी के प्रतीक के समान समझना पूर्णतः उचित नहीं है।

मकर का यह मिश्रित स्वरूप स्वयं एक गहरी प्रतीकात्मकता रखता है। इसमें जल और भूमि दोनों के संकेत मिलते हैं। अर्थात् यह राशि गहराई और व्यावहारिकता, भावनात्मक अथवा अदृश्य स्तर और भौतिक अथवा सामाजिक स्तर के बीच एक सेतु का संकेत दे सकती है।

मकर का प्रतीक हमें यह भी बताता है कि जीवन केवल सहन पर दिखाई देने वाली वस्तुओं का नाम नहीं है। व्यक्ति को परिस्थितियों की गहराई समझते हुए वास्तविक संसार में अपने लिए एक मजबूत स्थान बनाना पड़ता है।

मकर राशि और कालपुरुष: कालपुरुष के शरीर में मकर राशि का संबंध घट्टनों से माना जाता है। बृहत् पाराशर होरा शास्त्र के राशि-वर्णन में मकर को कालपुरुष के घट्टनों से संबंधित किया जाता है।

घट्टने शरीर को आगे बढ़ने में सहायता करते हैं, लेकिन साथ ही वे शरीर के भार को सपोर्ट भी हैं। यह मकर की प्रतीकात्मक प्रकृति से बहुत सुंदर रूप से जुड़ता है।

मकर केवल आगे बढ़ने की राशि नहीं है। प्रह जिम्मेदारी का भार उठाकर आगे बढ़ने की राशि भी है।

ज्योतिषीय व्याख्य-विचार में यदि मकर लगन, चंद्र राशि या मकर पर विशेष प्रह प्रभाव हो तो घट्टनों तथा संबंधित शारीरिक क्षेत्रों को पारंपरिक रूप से देखा जा सकता है। लेकिन इन संकेतों को

आधुनिक चिकित्सकीय निदान नहीं माना जाना चाहिए।

मकर राशि और दशम भाव:

मकर राशिचक्र की दसवीं राशि है और कालपुरुष की कुंडली में दसवें भाव के साथ इसका विशेष सामंजस्य माना जाता है। दशम भाव कर्म, व्यवसाय, अधिकार, सार्वजनिक प्रतिष्ठा, सामाजिक स्थिति, उत्तरदायित्व और समाज में व्यक्ति की भूमिका से संबंधित है।

इसलिए मकर की ऊर्जा में कर्म का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। मकर केवल यह नहीं पूछता कि "मैं क्या चाहता हूँ?" बल्कि वह यह भी पूछता है:

"मैं उसके लिए क्या कर्म करने को तैयार हूँ?"

इसीलिए मकर को करियर, व्यवसाय, प्रशासन, अधिकार, प्रबंधन, संरचना, संगठन और दीर्घकालीन उपलब्धि से जोड़ना स्वाभाविक है।

लेकिन यह ध्यान रखना आवश्यक है कि किसी व्यक्ति का व्यवसाय केवल मकर राशि देखकर निर्धारित नहीं किया जा सकता। दशम भाव, दशमेश, सूर्य, शनि, ग्रहयोग, दशा और संपूर्ण कुंडली का अध्ययन आवश्यक है।

मकर राशि और कर्म:

मकर का सबसे गहरा विषय कर्म है।

कर्म का अर्थ यहां केवल नैकरी या व्यवसाय नहीं है। कर्म का व्यापक अर्थ है वह कार्य जिसके माध्यम से व्यक्ति संसार में अपनी भूमिका निभाता है और अपने उत्तरदायित्वों को पूरा करता है।

मकर की उच्च चेतना व्यक्ति को यह

सिखाती है कि अधिकार से पहले उत्तरदायित्व आता है। पद से पहले योग्यता आती है। और सफलता से पहले अनुशासन प्राप्त होता है।

इसीलिए मकर का विकास केवल धन या पद प्राप्त करने में नहीं है। वास्तविक विकास तब है जब व्यक्ति अपनी शक्ति का उपयोग व्यवस्था, निर्माण और उत्तरदायित्व के लिए करता है।

मकर राशि और पृथ्वी तत्व का कर्मयोग:

पृथ्वी तत्व मकर को व्यावहारिक बनाता है और चर प्रकृति उसे कर्म की ओर ले जाती है। शनि चर अनुशासन देता है। इन तीनों का संयोग एक विशिष्ट कर्मयोग बनाता है।

यहां विचार से अधिक क्रियाव्ययन महत्वपूर्ण हो जाता है।

योजना बनाना आवश्यक है, लेकिन योजना को लागू करना उससे अधिक महत्वपूर्ण है।

लक्ष्य रखना आवश्यक है, लेकिन लक्ष्य तक पहुंचने के लिए दैनिक अनुशासन विकसित करना उससे अधिक महत्वपूर्ण है।

इसलिए मकर का एक महत्वपूर्ण सूत्र है:

"योजना बनाओ। संरचना तैयार करो। कर्म करो। उसे बनाए रखो।"

मकर राशि और अनुशासन:

मकर का अनुशासन केवल बाहरी नियमों का पालन नहीं है। इसका गहरा रूप है स्वयं पर नियंत्रण।

व्यक्ति कब काम करेगा, किस दिशा में काम करेगा, कितने समय तक काम करेगा, किन संसाधनों का उपयोग करेगा और किस चीज को छोड़ना होगा, इन सभी प्रश्नों में मकर की ऊर्जा दिखाई देती है।

मकर जानता है कि हर इच्छा को तुरंत पूरा करना आवश्यक नहीं है। कभी-कभी वर्तमान की सुविधा छोड़कर भविष्य की स्थिरता बनानी पड़ती है।

यही विलंबित संतुष्टि मकर की महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक प्रतीकात्मकता है।

मकर राशि और महत्वाकांक्षा:

मकर में महत्वाकांक्षा का अर्थ केवल प्रसिद्ध होना नहीं है। यह महत्वाकांक्षा पद, अधिकार, दम्ता, सुरक्षा और स्वायत्ती उपलब्धि की दिशा में जा सकती है।

मकर ऊंचाई चाहता है, लेकिन उस ऊंचाई के पीछे संरचना भी चाहता है। वह केवल शिखर पर पहुंचना नहीं चाहता, वह ऐसा स्थान बनाना चाहता है जहां से वह लंबे समय तक कार्य कर सके। इसीलिए मकर की महत्वाकांक्षा कई बार शांत दिखाई देती है। वह अपने लक्ष्य के बारे में बहुत बोलने की बजाय उसके लिए लगातार काम कर सकता है।

मकर राशि और धन:

पृथ्वी तत्व और शनि के स्वाभिव्य के कारण मकर का संबंध धन के निर्माण, संसाधनों के प्रबंधन, बचत, संरचना और दीर्घकालीन आर्थिक सुरक्षा से जोड़ा जा सकता है।

लेकिन मकर धन को केवल खर्च और उपभोग के रूप में नहीं देखता। इसकी उच्च ऊर्जा धन को संपत्ति, सुरक्षा और दीर्घकालीन संरचना के रूप में देखने की क्षमता रखती है।

मकर के लिए संपत्ति, भूमि, आधारभूत संरचना, प्रशासन, व्यवसायिक व्यवस्था, दीर्घकालीन निवेश तथा व्यवस्थित उद्यम जैसे क्षेत्र स्वाभाविक रूप से महत्वपूर्ण हो सकते हैं, यदि संपूर्ण कुंडली उन्का समर्थन करे।

वास्तविक धन योग के लिए द्दतीय

भाव, एकाग्र भाव, उनके स्वामी, गुरु, शुक्र, धनयोग और संबंधित दशाओं का अध्ययन आवश्यक है।

मकर राशि और करियर: मकर का सबसे प्रमुख क्षेत्र कर्म और करियर है।

इसलिए मकर की ऊर्जा प्रशासन, प्रबंधन, सरकार, कॉर्पोरेट संरचना, अभियंत्रण, आधारभूत संरचना, निर्माण, खनन, उद्योग, मशीनरी, वित्त, लेखांकन, कानून, अनुपालन, शासन, संचालन, परियोजना प्रबंधन, विनिर्माण और बड़े संगठनों में जिम्मेदारी जैसे क्षेत्रों में अभिव्यक्त हो सकती है।

शनि के कारण ऐसे कार्य भी मकर से जुड़े हो सकते हैं जिनमें लंबे समय तक धैर्य, तकनीकी ज्ञान, व्यवस्था, नियम या संगठनात्मक उत्तरदायित्व की आवश्यकता होती है।

लेकिन केवल मकर राशि के आधार पर व्यवसाय निर्धार करना उचित नहीं है। दशम भाव, दशमेश, सूर्य, शनि, अमात्यकारक, ग्रहयोग और दशा का विचार आवश्यक है।

मकर राशि और नेतृत्व:

मकर का नेतृत्व मेघ के नेतृत्व से अलग हो सकता है। मेघ तत्काल कर्म और पहल का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि

मकर का नेतृत्व अधिक संरचित, रणनीतिक और उत्तरदायित्व-केंद्रित हो सकता है।

मकर का उच्च नेतृत्व वह है जिसमें व्यक्ति केवल आदेश नहीं देता बल्कि व्यवस्था बनाता है।

वह ऐसा संगठन बना सकता है जिसमें दूसरे लोग भी अपनी भूमिका निभा सकें। इसलिए मकर के नेतृत्व का सर्वोच्च रूप अधिकार के साथ उत्तरदायित्व है।

मकर राशि और समाज:

मकर व्यक्ति को व्यक्तिगत उपलब्धि से आगे सामाजिक संरचना की ओर भी ले जा सकता है।

क्योंकि दशम भाव सार्वजनिक जीवन, कर्म और सामाजिक योगदान से जुड़ा है, मकर की उच्च व्यक्ति को यह सोचने की ओर ले जा सकती है कि वह समाज में क्या निर्माण कर रहा है।

एक व्यक्ति संगठन बना सकता है। दूसरा संस्था बन सकता है। कोई आधारभूत संरचना बना सकता है। कोई प्रशासनिक व्यवस्था बना सकता है। कोई ऐसी व्यवस्था बना सकता है जो उसके बाद भी चलती रहे।

यह मकर की विरासत-चेतना है।

मकर राशि और संबंध:

मकर संबंधों में स्थिरता, विश्वसनीयता, उत्तरदायित्व और व्यावहारिक प्रतिबद्धता को महत्व दे सकता है।

यह आवश्यक नहीं कि मकर अपनी भावनाओं को हमेशा बहुत अधिक शब्दों में व्यक्त करे। कई बार उसका प्रेम उत्तरदायित्व और कर्म के माध्यम से दिखाई देता है। वह कहने की बजाय करने को अधिक महत्व दे सकता है।

इसलिए मकर संबंधों में एक महत्वपूर्ण सूत्र हो सकता है:

"उत्तरदायित्व के माध्यम से प्रेम।"

लेकिन यदि शनि की ऊर्जा अत्यधिक कठोर हो जाते तो भावनात्मक संकोच, दूरी, अत्यधिक व्यावहारिकता या भावनाओं को दबाने की प्रवृत्ति भी दिखाई दे सकती है।

मकर राशि और विवाह:

मकर को अकेले देखकर विवाह का निर्णय नहीं किया जा सकता। विवाह के लिए सप्तम भाव, सप्तमेश, शुक्र, गुरु, नवांश, उपपद, दाराकारक और संबंधित दशाओं का अध्ययन आवश्यक है।

यदि मकर का प्रभाव विवाह क्षेत्र पर हो तो संबंध में उत्तरदायित्व, निष्ठा, स्थिरता, व्यावहारिक सामंजस्य और दीर्घकालीन प्रतिबद्धता का महत्व बढ़ सकता है। लेकिन शनि के प्रभाव को केवल विलंब के रूप में समझना भी उचित नहीं है। शनि कई बार परिपक्वता, सहनशीलता और प्रतिबद्धता भी देता है। वास्तविक फल कुंडली की संपूर्ण स्थिति पर निर्भर करता है।

मकर राशि और आध्यात्मिकता:

मकर को केवल भौतिकवादी राशि मानना उचित नहीं है। शनि की गहराई मकर को कर्म, वैराग्य, तप, समय और आत्म-अनुशासन की ओर भी ले जा सकती है। मकर की आध्यात्मिक यात्रा कई बार संसार छोड़ने से अधिक संसार में रहते हुए अपने कर्म को शुद्ध करने की दिशा में दिखाई देती है। इसका प्रश्न हो सकता है: "मैं अपने कर्म को कैसे शुद्ध करूँ?" "मैं अपने उत्तरदायित्व को धर्म के साथ कैसे निभाऊँ?" "समय मुझे क्या सिखा रहा है?" इस दृष्टि से मकर की आध्यात्मिकता कर्मयोग और अनुशासित साधना से जुड़ सकती है।

मकर राशि और शनि का आध्यात्मिक पाठ

शनि व्यक्ति को समय का मूल्य समझाता है।



जो चीज तुरंत मिल जाती है वह हमेशा स्थायी नहीं होती। जो चीज समय लेकर बनती है वह कई बार व्यक्ति के भीतर भी परिवर्तन पैदा करती है।

मकर का आध्यात्मिक पाठ है कि बाहरी उपलब्धि के साथ आंतरिक परिपक्वता भी विकसित हो।

कर्म से अनुशासन। अनुशासन से परिपक्वता। परिपक्वता से विवेक। विवेक से वैराग्य। और वैराग्य से आत्मबोध।

मकर राशि की सकारात्मक

अभिव्यक्ति:

मकर का उच्च स्वरूप अनुशासन, धैर्य, उत्तरदायित्व, व्यावहारिकता, सहनशीलता, रणनीतिक चिंतन, संगठन, नेतृत्व, दृढ़ता, यथाश्र्वाद और दीर्घकालीन दृष्टि में दिखाई देता है।

ऐसा व्यक्ति कठिन परिस्थितियों में भी कार्य जारी रख सकता है। वह केवल उन्साह के आधार पर नहीं, बल्कि प्रतिबद्धता के आधार पर आगे बढ़ता है। उसकी सबसे बड़ी शक्ति यह हो सकती है कि वह किसी लक्ष्य को वर्षों तक पकड़े रख सकता है और धीरे-धीरे उसे वास्तविकता में बदल सकता है।

मकर राशि की छाया प्रवृत्ति:

जब शनि की ऊर्जा असंतुलित होती है तो अनुशासन कठोरता बन सकता है, उत्तरदायित्व बोझ बन सकता है, व्यावहारिकता भावनात्मक शुष्कता बन सकती है और महत्वाकांक्षा पद-आसक्ति में बदल सकती है।

मकर की छाया प्रवृत्तियों में अत्यधिक निराशावाद, कठोरता, नियंत्रण, कार्य में अति-लिप्तता, असफलता का भय, अत्यधिक गंभीरता, भावनात्मक संकोच और केवल भौतिक उपलब्धि को सफलता मानने की प्रवृत्ति दिखाई दे सकती है।

लेकिन इन प्रवृत्तियों को हर मकर व्यक्ति का निश्चित गुण नहीं माना जाना चाहिए। ग्रह, भाव, दृष्टि, युति, नवांश और दशा इनके परिणाम को बहुत बदल सकते हैं।

मकर का उच्चतम विकास तब होता है

जब अनुशासन कठोरता नहीं बल्कि आत्म-नियंत्रण बनता है, महत्वाकांक्षा अहंकार नहीं बल्कि उद्देश्य बनती है और अधिकार प्रभुत्व नहीं बल्कि उत्तरदायित्व बनता है।

मकर राशि और मंगल:

मकर में मंगल उच्चमाना जाता है और पारंपरिक ग्रह-उच्चता के अनुसार मंगल की उच्च राशि मकर है, उसका उच्चतम बिंदु 28° माना जाता है।

यह संयोगित अर्थात् महत्वपूर्ण है क्योंकि मंगल कर्म, साहस, पहल और क्रियाव्ययन का प्रह है जबकि मकर संरचना, अनुशासन और दीर्घकालीन कर्म का क्षेत्र है।

इसलिए मकर में मंगल की उच्चता को प्रतीकात्मक रूप से अनुशासित कर्म के रूप में समझा जा सकता है। ऊर्जा को दिशा देना, साहस को रणनीति देना और कर्म को संरचना देना इसका महत्वपूर्ण अर्थ हो सकता है।

मकर राशि और गुरु:

मकर में गुरु नीच माना जाता है और पारंपरिक व्यवस्था में गुरु का नीचतम बिंदु 5° मकर है।

इसका अर्थ यह नहीं है कि मकर में गुरु होने पर व्यक्ति में ज्ञान या धर्म समाप्त हो जाता है। नीचता का वास्तविक फल भाव, भावेश, दृष्टि, युति, नवांश, दशा और नीचगंग आदि पर निर्भर करता है।

प्रतीकात्मक रूप से यह स्थिति कभी-कभी ज्ञान और व्यावहारिक वास्तविकता के बीच तनाव दिखा सकती है। सिद्धांत को वास्तविक संसार में कैसे लागू किया जाए, यह प्रश्न महत्वपूर्ण हो जाता है।

मकर राशि में सूर्य:

मकर में सूर्य होने पर अधिकार, उत्तरदायित्व, करियर, सामाजिक स्थिति और संरचित उपलब्धि के विषय सक्रिय हो सकते हैं।

सूर्य आत्मत्व, अधिकार और नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि मकर कर्म और सामाजिक उत्तरदायित्व की राशि है। इसलिए सूर्य-मकर संबंध में व्यक्ति अपनी पहचान को करियर या सार्वजनिक भूमिका के माध्यम से व्यक्त कर सकता है।

लेकिन वास्तविक फल सूर्य के भाव, नक्षत्र, दृष्टि, युति और दशा से निर्धारित होगा।

मकर राशि में चंद्रमा:

चंद्रमा मन, भावनाएं, पोषण और मानसिक प्रतिक्रिया का कारक है। मकर की पृथ्वी और शनि की गंभीरता के साथ चंद्रमा का संबंध मन को व्यावहारिक, उत्तरदायी और नियंत्रित बना सकता है। कई बार व्यक्ति अपनी भावनाओं को तुरंत व्यक्त करने के बजाय उन् पहले भीतर ही समझने और व्यवस्थित करने का प्रयास कर सकता है।

लेकिन केवल चंद्रमा की राशि देखकर मानसिक स्वास्थ्य या व्यक्तित्व का अंतिम निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए। संपूर्ण कुंडली आवश्यक है।

मकर राशि में बुध:

बुध बुद्धि, संचार, गणना, व्यापार और विश्लेषणात्मक चिंतन का प्रह है। मकर की संरचित पृथ्वी बुध को व्यावहारिक योजना, संगठन, प्रबंधन और व्यवस्थित चिंतन की दिशा दे सकती है।

इसलिए यदि संपूर्ण कुंडली समर्थन करे तो यह संयोगित लेखांकन, प्रबंधन, व्यवसायिक व्यवस्था, विश्लेषण, प्रशासन और संरचित संचार में उपयोगी हो सकता है।

मकर राशि में शुक्र:

शुक्र संबंध, कला, सौंदर्य, सुख, वित्त और परिष्कार का कारक है। मकर की व्यावहारिक और अनुशासित प्रकृति शुक्र के विषयों में स्थिरता और दीर्घकालीन दृष्टि को ला सकती है।

संबंधों में केवल आकर्षण की बजाय विश्वसनीयता, प्रतिबद्धता और व्यावहारिक सामंजस्य का महत्व बढ़ सकता है।

मकर राशि में शनि:

मकर शनि की अपनी राशि है।

इसलिए शनि यहां अपनी राशि में होने के कारण अपनी मूल प्रकृति को स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त कर सकता है।

कर्म, अनुशासन, उत्तरदायित्व, संगठन, सहनशीलता, संरचना और दीर्घकालीन उपलब्धि इसके प्रमुख विषय बन सकते हैं।

लेकिन शनि के परिणामों को केवल स्थित राशियां हैं।

कर्म भावनात्मक सुरक्षा, परिवार, मकर राशि में राहु:

राहु मकर में होने पर महत्वाकांक्षा, भौतिक संरचना, अधिकार, करियर, प्रतिष्ठा और अपरंपरागत तरीकों के विषय सक्रिय हो सकते हैं।

यक्ति पारंपरिक रास्तों के बाहर जाकर किसी संरचित क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि प्राप्त करने की इच्छा रख सकता है।

लेकिन राहु की अतिशयता महत्वाकांक्षा को आसक्ति, प्रतिष्ठा को लगाव और उपलब्धि को अंतर्हीन दौड़ में बदल सकती है।

मकर राशि में केतु:

केतु मकर में होने पर व्यक्ति बाहरी उपलब्धि और अधिकार के पीछे छिपे वास्तविक अर्थ पर प्रश्न कर

लता जी की जयंती पर विशेष श्रद्धांजलि - परिवहन विशेष - सांस्कृतिक जयंती विशेष

देह चली गई, स्वर रह गया - लता होने का अर्थ यही है, सिंहासन नहीं, सिर्फ सुर और करोड़ों दिलों पर राज

लता के बाद क्या? – एक पूरा सुनता हुआ हिंदुस्तान लेखिका: कृति आरके जैन, शिक्षाविद्, बड़वानी - संपादक: संजय कुमार बाठला

तथ्य – स्वर-कोकिला का जीवन-सफर

1. जन्म और नामकरण: 28 सितंबर 1929, इंदौर। मूल नाम हेमा, पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर ने अपने नाटक 'भावबंधन' की पात्र लतिका के नाम पर नाम रखा लता। 5 वर्ष की उम्र में पिता के नाटकों से अभिनय और संगीत की शुरुआत।

2. संघर्ष की शुरुआत: 1942 में 13 वर्ष की उम्र में पिता का निधन, परिवार की जिम्मेदारी। मराठी फिल्म 'फिदी हसाल' (1942) में पहला गीत रिकॉर्ड। 'फाइनल कट से हटा'। हिंदी में नूरजहाँ, शमशाद बेगम के दौर में आवाज को 'पतली' कहकर नकारा गया।

3. पहचान की पहली किरण:

गुलाम हैदर का दिया गीत - फिल्म मजबूर (1948) - 'दिल मेरा तोड़ा'। फिर 1949 में 'महल' का 'आएगा आनेवाला' - जिसने पार्श्वगायन की दिशा बदल दी।

4. विराट योगदान: 36 से अधिक भाषाओं में 30,000 से अधिक गीत। नौशाद, मदन मोहन, शंकर-जयकिशन, एसडी बर्मन, आरडी बर्मन से लेकर एआर रहमान तक - सभी के साथ सृजनात्मक विस्तार।

5. राष्ट्र की आवाज: 26 जनवरी 1963 को दिल्ली में 'ऐ मेरे वतन के लोगों' - जवाहरलाल नेहरू की आँखें नम, पूरा देश भावुक। उस दिन लता केवल गायिका नहीं, राष्ट्र की साझा संवेदना बन गई।

6. सम्मान: पद्म भूषण (1969), दादा साहब फाल्के (1989), पद्म विभूषण (1999), भारत रत्न (2001), फ्रांस का लीजन ऑफ ऑनर (2009)।

7. अंतिम विदाई: 6 फरवरी 2022 - एक युग की धड़कन थमी,

पर स्वर अमर रहा।

मुख्य बिंदु – लता होना क्या है? – संपादकीय विश्लेषण

1. आवाज जो घटित होती है: कुछ आवाजें सुनी नहीं जातीं, वे भीतर घटित होती हैं। लता का स्वर कानों की देहरी लांघकर स्मृतियों में उतरता है, समय के साथ धुंधला नहीं, और उजला होता है।

2. भाव की व्यापकता: एक ही आवाज में - 'लग जा गले' में प्रेम, 'तेरे बिना जिंदगी से' में रिश्तों की कसक, 'आजा रे परदेसी' में विरह, 'ज्योति कलश छलके' और 'ओ पालनहार' में भक्ति। वे गीत नहीं, भाव को स्वर देती थीं।

3. साधना का अनुशासन: स्टूडियो को मंदिर मानती थीं, अक्सर नंगे पाँव रिकॉर्डिंग, समय से पहले पहुँचना, हर शब्द को भीतर उतारना। उनके लिए सुर तकनीक नहीं, साधना था।

4. दीवारें गिराने वाली मौजूदगी: जिस दौर में महिला कलाकारों के लिए सीमाएँ तय थीं, उन्होंने शोर

नहीं, लगातार मौजूदगी से दीवारें गिराईं। कोमल आवाज ने सिखाया - ताकत ऊँचा बोलने में नहीं, असर छोड़ने में है। लाखों लड़कियों की प्रेरणा।

5. सादगी में महानता: वैभव के बीच भी सादगी बनी रही। कहती थीं - रमेश सबसे बड़ा पुरस्कार जनता का प्यार है।

➤ संपादकीय निष्कर्ष: शायद अमरता यही है कुछ विदाइयों केवल व्यक्ति को दूर करती हैं, कुछ पूरे युग की धड़कन थाम देती हैं। लता जी के जाने पर लगा भारतीय संगीत की धारा रुक गई। पर महान स्वर मृत्यु से समाप्त नहीं होते। आज भी पहली पंक्ति बजते ही उनकी आवाज भीतर उतरती है - कभी माँ की ममता, कभी मंदिर की घंटी-सी पवित्रता। देह चली गई, स्वर रह गया। पीढ़ियाँ बदलेंगी, संगीत के रूप बदलेंगे, पर लता जी भारतीय संगीत की बुनियाद में दर्ज रहेंगी। उन्होंने केवल गीत नहीं गाए, भारतीय मन को गुनगुाने की स्थायी भाषा दे दी।



बाढ़ के बीच वायु सेना का साहसिक अभियान, छत पर फंसे 12 नागरिकों को सुरक्षित बचाया

गरुड़ कमांडो ने कमजोर झोपड़ी की छत पर उतरकर की मदद, मंडराते हेलीकॉप्टर से विन्च कर निकाले गए महिलाएं और बच्चे

रिपोर्ट विशेष संवाददाता परिवहन विशेष समाचार पत्र जगदलपुर



शुरू किया गया। वायु सेना के गरुड़ कमांडो को कमजोर छत पर उतारा गया, जिसने फंसे नागरिकों को सुरक्षित निकालने में सहायता की। इसके बाद मंडराते हेलीकॉप्टर में विन्च की सहायता से सभी 12

नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। भारतीय वायु सेना के इस साहसिक और त्वरित बचाव अभियान से बाढ़ में फंसे नागरिकों की जान बचाई जा सकी।

कमजोर यूनियन व्यवस्था का खामियाजा स्थानीय ट्रांसपोर्टरों को, बाहरी वाहनों के दबदबे से राउरकेला का परिवहन कारोबार संकट में

तालचेर, जोड़ा, बड़बिल, क्यॉंझर से लेकर झारसुगुड़ा तक स्थानीय परिवहन हितों को प्राथमिकता मिलने का दावा, राउरकेला में स्थानीय गाड़ी मालिकों के लिए समान व्यवस्था की मांग

रिपोर्ट डा राजकुमार यादव परिवहन विशेष समाचार पत्र राउरकेला

लौह-अयस्क, कोयला और औद्योगिक माल परिवहन से जुड़े राउरकेला के स्थानीय ट्रांसपोर्टर्स और वाहन मालिकों के बीच कारोबार में असमानता को लेकर असंतोष गहराता जा रहा है। परिवहन क्षेत्र से जुड़े लोगों का आरोप है कि कमजोर यूनियन व्यवस्था, आपसी भेदभाव और प्रशासनिक उदासीनता के कारण स्थानीय पंजीकृत वाहनों को पर्याप्त माल नहीं मिल पा रहा, जबकि दूसरे क्षेत्रों के वाहन यहां आकर नियमित रूप से परिवहन कारोबार कर रहे हैं।

स्थानीय परिवहन व्यवसायियों के अनुसार तालचेर, जोड़ा, बड़बिल, क्यॉंझर, सुंदरगढ़, ब्रजराजनगर और झारसुगुड़ा जैसे

औद्योगिक क्षेत्रों में स्थानीय परिवहन संगठनों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय देखने को मिलता है। वहां स्थानीय परिवहन हितों और वाहनों की उपलब्धता को लेकर यूनियनों की भूमिका प्रभावी होने का दावा किया जाता है। इसके विपरीत राउरकेला में स्थानीय ट्रक मालिकों और ट्रांसपोर्टर्स को अपेक्षित संरक्षण और समान अवसर नहीं मिलने की शिकायत सामने आ रही है।

संसाधनों के बीच राउरकेला का स्थानीय परिवहन व्यवसाय क्यॉं पिछड़ रहा ?

राउरकेला और इसके आसपास का क्षेत्र स्वयं औद्योगिक माल की आवक-जावक का एक बड़ा केंद्र है। विशेष रूप से बनेलोनीपाड़ा, राउरकेला, राजगाँवपुर और कुआँमुंडा जैसे क्षेत्र माल के आवक-जावक और परिवहन गतिविधियों के महत्वपूर्ण केंद्र माने जाते हैं। यहां औद्योगिक प्रतिष्ठानों, खनिज आधारित गतिविधियों और माल परिवहन की पर्याप्त संभावनाएं मौजूद हैं।

इसके बावजूद विडंबना यह है कि इस पूरे परिवहन तंत्र का अपेक्षित लाभ राउरकेला के रजिस्टर्ड गाड़ी मालिकों, स्थानीय ट्रांसपोर्टर्स और परिवहन व्यवसायियों को नहीं मिल पा रहा है। जिन लोगों ने स्थानीय स्तर पर



वाहन खरीदकर परमिट, टैक्स, बीमा, बैंक ऋण और अन्य वैधानिक दायित्वों को पूरा करते हुए इस व्यवसाय में निवेश किया है, वे ही पर्याप्त माल की तलाश में भटक रहे हैं।

कमी आखिर किस बात की है ? संसाधनों की, माल की, वाहनों की या फिर व्यवस्था और समन्वय की—यह अब केवल शिकायत का विषय नहीं, बल्कि गंभीर चिंतन और जांच का विषय बन चुका है। सबसे बड़ा सवाल यह उठाया

जा रहा है कि राउरकेला में पंजीकृत वाहन और स्थानीय परिवहन कारोबारी मौजूद होने के बावजूद बाहर के वाहन किस व्यवस्था के तहत यहां लगातार माल ढुलाई कर रहे हैं ? स्थानीय व्यवसायियों का दावा है कि कई मामलों में बाहरी वाहनों के दस्तावेज और स्थानीय परिवहन व्यवस्था में उनकी वैध स्थिति तक स्पष्ट नहीं होती, जिसकी जांच आवश्यक है।

इस स्थिति का सीधा असर उन

स्थानीय गाड़ी मालिकों पर पड़ रहा है, जिन्होंने बैंक ऋण, परमिट, बीमा, टैक्स और अन्य वैधानिक खर्च वहन कर वाहन कारोबार में निवेश किया है। कारोबार नहीं मिलने से कई वाहन खड़े हैं और मालिक आर्थिक दबाव में हैं।

सरकार से पारदर्शी व्यवस्था की मांग

परिवहन व्यवसायियों ने मांग की है कि प्रशासन बाहरी वाहनों के परिचालन, परमिट, दस्तावेज और माल आवंटन की निष्पक्ष जांच करे तथा स्थानीय पंजीकृत वाहनों को समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट और पारदर्शी व्यवस्था बनाए।

अब सवाल केवल यूनियन का नहीं, बल्कि स्थानीय रोजगार, निवेश और परिवहन कारोबार के अस्तित्व का है। समय रहते व्यवस्था नहीं सुधरी तो राउरकेला के स्थानीय परिवहन व्यवसाय पर इसका दीर्घकालिक असर पड़ सकता है।

313 करोड़ का कोयल बैराज: 13 साल बाद भी अधूरा सपना, फाइलों से निकलकर जमीन पर रफ्तार कब पकड़ेगा काम ?

2013 में रखी गई थी आधारशिला, 2022 में मिला ठेका; तय समयसीमा भी बीती, फिर भी राउरकेला की बहुप्रतीक्षित परियोजना पूरी होने का इंतजार

रिपोर्ट डा राजकुमार यादव परिवहन विशेष समाचार पत्र राउरकेला

राउरकेला के लिए जीवनरेखा मानी जा रही हमीरपुर कोयल नदी बैराज-कम-ब्रिज परियोजना की धीमी प्रगति एक बार फिर सवालों के घेरे में है। करीब ₹313 करोड़ की इस महत्वाकांक्षी परियोजना की आधारशिला जुलाई 2013 में रखी गई थी, लेकिन वर्षों तक यह योजना प्रशासनिक प्रक्रियाओं, डिजाइन में बदलाव और तकनीकी अड़चनों के बीच उलझी रही। 2022 में लगभग ₹313.11 करोड़ के ठेके के बाद भी परियोजना तय समय में पूरी नहीं हो सकी। परियोजना का उद्देश्य कोयल बैराज निर्माण नहीं, बल्कि कोएलनगर, शक्तिनगर,



जगदा और राउरकेला स्टील प्लांट के कुछ क्षेत्रों में जलापूर्ति मजबूत करना, सिंचाई क्षमता बढ़ाना और नदी के आर-पार संपर्क स्थापित करना है। लगभग 446.1 मीटर लंबे और 7.5 मीटर चौड़े बैराज-कम-ब्रिज से करीब 1,200 हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई सुविधा मिलने की योजना है।

विडंबना यह है कि जिस परियोजना से क्षेत्र की जल समस्या और आवागमन की मुश्किलें कम होनी थीं, उसके लिए लोगों को वर्षों से इंतजार करना पड़ रहा है। पुराने प्रस्ताव में स्थान परिवर्तन और बाद में डिजाइन संबंधी समस्याओं के कारण भी समय लगा। प्रमुख निर्माण कार्य



जनवरी 2024 में शुरू हुआ था। 2025 में विभाग ने जून 2026 तक परियोजना पूरा करने का संशोधित लक्ष्य बताया था, जबकि उस समय लगभग 66 प्रतिशत संरचनात्मक कार्य पूरा होने की जानकारी दी गई थी। अब यह समयसीमा भी बीत चुकी है,

इसलिए जनता के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है—आखिर कोयल बैराज कब पूरा होगा और कब इसका वास्तविक लाभ लोगों को मिलेगा ? स्थानीय स्तर पर अब उम्मीद है कि सरकार शेष तकनीकी और भूमि संबंधी अड़चनों को दूर कर परियोजना को निर्णायक गति देगी।

शीर्षक - तर्पण कवियत्री मोनिका डगा “आनंद”, परिवहन विशेष समाचार पत्र चेन्नई

पितर पक्ष आया बरसै है पुरखों का आशीष, तर्पण कर श्रद्धा से नतमस्तक घरणों में शीश, है यह सोलह दिनों का श्रद्धेय त्यौहार विशेष, पूर्वज आते देवे अग्रणा आशीर्वाद अशेष।

मन के विषाद से मुक्त हो करें पवित्र प्रार्थना, नेह आशीष से पितरों के फलीभूत कामना, कर तर्पण कर्म वयन से सदा कीर्तिजिह आभार, पितृजनों की कृपादृष्टि से फले-फूले परिवार।

तिथि विशेष करते पूजन अर्चन तर्पण समर्पण, भूल चूक की क्षमा याचना से कटे दुःख बंधन, श्राद्धपक्ष में अमृत "आनंद" की बरसती बरखा, देख परिवार को इकट्ठा पितरों का मन हरखा।

पितरों का तर्पण प्रेम भावपूर्ण से हो सजदा, इन पैतृक संस्कारों का मान रखें हम सर्वदा, कोटि-कोटि वंदन पितरों को मार्ग न हो अवरुद्ध, गौ आस और काग को थाली सेवा भाव शुद्ध।

अंजुरी भरी जल की और मन का सुंदर दीपक, शुभचिंतक परिवार के पितर पालक और रक्षक, पितरों की संतुष्टि से बरसता वैभव घर द्वार, पाया ये जीवन जिनसे नमन उल्लेख बारम्बार।

बरवाला में 138वें ‘मन की बात’ कार्यक्रम का हुआ सामूहिक प्रसारण, कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कार्यकर्ताओं व क्षेत्रवासियों के साथ सुना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन

रिपोर्ट राजेश सलूजा परिवहन विशेष समाचार पत्र हरियाणा - हिसार

बरवाला विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या-31 स्थित बाल संस्कार वाटिका में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के 138वें एपिसोड का सामूहिक प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा सरकार में लोक निर्माण विभाग एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी

मंत्री रणबीर गंगवा ने मुख्य रूप से शिरकत की। इस दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे और उन्होंने प्रधानमंत्री के विचारों को सुना। हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन राजेश ठकुराल तथा बरवाला नगर परिषद के अध्यक्ष रमेश बैटरीवाला विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी हर माह 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से देशवासियों से संवाद करते हैं। इस कार्यक्रम में देश में हो रहे सकारात्मक बदलावों, विकास की दिशा में आगे बढ़ रहे भारत तथा विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों की उपलब्धियों को देश के सामने रखा जाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री 'मन की बात' के माध्यम से ऐसे सामान्य नागरिकों और महान व्यक्तित्वों का भी उल्लेख करते हैं,

जो अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करते हुए समाज और देश को मजबूत बनाने में योगदान दे रहे हैं। ऐसे लोगों की प्रेरक कहानियों से समाज के अन्य लोगों को भी आगे बढ़ने और देशहित में योगदान देने की प्रेरणा मिलती है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह कार्यक्रम देशवासियों को राष्ट्र निर्माण से जुड़ने, समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और जनभागीदारी की

भावना को मजबूत करने का माध्यम बन गया है। उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों से प्रधानमंत्री के संदेशों को आत्मसात करते हुए समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन राजेश ठकुराल, पूर्व चेयरमैन रणधीर धीरू, मंडल अध्यक्ष मोनू सेंदूजा, मीडिया प्रभारी कमल हंदूजा, शुभम मदान, महक, सुरेश गोयल, रामकेश बंसल,

रोशन घनघस, बरवाला मंडल मीडिया प्रभारी राजेश सलूजा, सुनील मेहता, प्रेम मेहता, सोनू चोपड़ा, प्रमोद सिवाच, पूजा गुंदली, सौरभ कथूरिया, राकेश भाटिया, वरिष्ठ भाजपा नेता पवन बैनीवाल, डॉ विजय, संजय ग्रोवर, रोहताश ग्रोवर, परवेश लम्बोरिया, कश्मीरी लाल, उमेश कौशिक, मोहित मित्तल, मुकेश मित्तल युवा समाजसेवी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



नीट -पीजी परीक्षा में पुनः झारखंड का नाम राष्ट्रीय पटल पर पल्लाक्षी ने साकार किया

रांची जन्मभूमि एयरपोर्ट्स का अस्पताल कर्मभूमि, पिता रेल में प्रिंसिपल सेप्टी , मां इंफोसिस में कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड झारखंड

रांची,नीट पीजी 2026 के नतीजे घोषित के साथ झारखंड का नाम एक बार फिर राष्ट्रीय पटल पर आ गया। रांची में जन्मी और एयर फोर्स स्टेशन कानपुर में तैनात 28 वर्षीय मेडिकल ऑफिसर स्व्वाइन लीडर पल्लाक्षी प्रसाद ने ऑल इंडिया रैंक 2 हासिल की थी।

डायरेक्टर जनरल आर्म्ड फोर्सेस मेडिकल सर्विसेज एयर मार्शल संदीप थरेज ने एक एफएम सी के सी बैच की पूर्व छात्रा को बधाई दी और इसे आर्म्ड फोर्सेस मेडिकल सर्विसेज के लिए गर्व की उपलब्धि बताया।

पल्लाक्षी , जिनके नाम का अर्थ 'कोमल' है, उनके लिए यह सफर बिल्कुल भी आसान नहीं था। यह सफर बरसों की अनुशासित पढ़ाई, सैन्य सेवा और सीखने के प्रति अटूट समर्पण से भरा रहा है।

बातचीत में पल्लाक्षी ने कहा, र मैं हमेशा से डॉक्टर बनना चाहती हूं। भले ही मेरे माता-पिता दोनों इंजीनियर हैं, लेकिन उन्होंने कभी मेरे सपने के लिए मना नहीं किया। उन्होंने बस मेरा साथ दिया।

रांची में जन्मी और हैदराबाद में पली-बढ़ी पल्लाक्षी ने दिल्ली पब्लिक स्कूल में पढ़ाई की और बिना कोई डाूप ईयर लिए नीट यूजी में 2016 में 1312वीं ऑल इंडिया रैंक हासिल की थी।

अपने गृह राज्य में दाखिले के नियमों के कारण उनके विकल्प सीमित हो गए थे, लेकिन अपनी मां के

कहने पर आर्म्ड फोर्सेस मेडिकल कॉलेज में आवेदन करने से उनकी जिंदगी बदल गई।

सिलेक्शन प्रोसेस में लड़कियों की मेरिट लिस्ट में तीसरा स्थान हासिल करने के बाद उन्होंनेमें दाखिला लिया और अपने बैच में ओवरऑल मेरिट में छठे स्थान पर रही।

उन्होंने याद करते हुए कहा, रमुझे कैपस और उससे जुड़ी हर चीज से लगाव हो गया। ग्रेजुएशन पूरा होने तक, मुझे यूनिफॉर्म पहनने में कोई हिचकिचाहट या अजनबीपन महसूस नहीं होता था। इसलिए, परमानेंट कमीशन लेने का फैसला मेरे लिए बहुत स्वाभाविक था।

र 15 मई, 2021 को इंडियन नेवी में कमीशन मिलने के बाद, उन्होंने 2025 में इंडियन एयर फोर्स में जाने से पहले लगभग ढाई साल तक एक



वॉरशिप पर मेडिकल ऑफिसर के तौर पर काम किया।उनका कहना है कि शिप पर की गई सर्विस ने उनके व्यक्तित्व और काम के प्रति नज़रिए, दोनों को ही बेहतर बनाया। यूनिफॉर्म में रहते हुए भारत के सबसे मुश्किल पोस्ट-ग्रेजुएट मेडिकल एंट्रेंस एरजाम में से एक की तैयारी करने के लिए

रांची में पति ने पत्नी को नदी में धकेला , रात भर टापू में रही महिला

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड झारखंड

रांची,झारखंड की राजधानी रांची के अनगड़ा थाना क्षेत्र में रविवार को एक सनकी पति ने क्रूरता की सारी हदें पार कर दी. आरोप है कि मृत्युंजय महतो नामक शख्स ने अपनी पत्नी लखिमनी कुमारी को जान से मारने की नीयत से पुल से नीचे धकेल दिया, लेकिन लखिमनी कुमारी की किस्मत अच्छी थी कि ग्रामीणों ने उसे टापू पर देख लिया और उसकी जान बचा ली. महिला के द्वारा पुलिस से की गई शिकायत के अनुसार, शनिवार की रात बहाने से पति मृत्युंजय महतो ने अपनी पत्नी लखिमनी कुमारी को नदी के किनारे ले गया. जान से मारने की नीयत से उसने लखिमनी को पुल से नीचे धकेल दिया. पुल से नीचे गिरने के बाद लखिमनी पानी के तेज बहाव में बहते हुए एक टापू पर जा फंसी. रात का अंधेरा और चारों ओर पानी होने के कारण वह रात के वक्त वहां से निकल नहीं सकी. पूरी रात वह ठंड में कांपते हुए मदद का इंतजार करती रही.

पानी में गिरने के बाद लखिमनी किसी तरह खुद को संभालते हुए पानी के बीच बने टापू तक पहुंची. इसके बाद वह वहीं फंस गई. रातभर ठंड और पानी के बीच वह मदद की आस में पड़ी रही. लगातार ठंड लगने से उसकी हालत बिगड़ती चली गई. रविवार सुबह तक वह बेहोश हो चुकी थी

सुबह ग्रामीणों की नजर टापू पर पड़ी महिला पर गई. ग्रामीणों ने जब करीब जाकर देखा तो लखिमनी बेहोशी की हालत में थी. इसके बाद तत्काल उसे वहां से बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू शुरू किया गया. काफी मशक्कत के बाद महिला को सुरक्षित टापू से बाहर निकाला गया. घटना के बाद लखिमनी कुमारी ने पति मृत्युंजय महतो के खिलाफ अनगड़ा थाने में लिखित आवेदन दिया है. महिला ने अपने आवेदन में पति पर उसे पुल से नीचे धकेलने का आरोप लगाया है. पुलिस अब महिला के आरोपों की जांच कर रही है. इस संबंध में अनगड़ा थाना प्रभारी गौतम रजवार ने बताया कि महिला की ओर से आवेदन दिया गया है. आवेदन के आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है.



धनबाद सीओ से एक करोड़ रंगदारी की मांग, पुलिस ने पंकज दास को किया गिरफ्तार

कार्तिक कुमार परिच्छा, परिवहन विशेष समाचार पत्र झारखंड

रांची, धनबाद के अंचल अधिकारी (सीओ) रामप्रवेश कुमार को द्वाटसेप पर एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने आरोपी पंकज दास नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, यह मामला जमीन विवाद में अपने मामा को फंसाने की साजिश से जुड़ा है।

सीओ को 14 सितंबर की शाम 7:10 बजे द्वाटसेप पर धमकी भरा संदेश मिला था। इसमें एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई थी और रकम

नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी गई थी। मामले में 24 सितंबर को शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने तकनीकी

आरोप है कि मामा को मामले में फंसाने के लिए पंकज ने राजगंज के एक युवक के सिम का इस्तेमाल किया।



जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने धमकी भेजने वाले मोबाइल नंबर के साथ बैंक खाते और यूपीआई से जुड़ी जानकारी जुटाई।

जहां जांच में पंडरपल्ला के पंकज दास का नाम आया सामने।तकनीकी जांच के दौरान पंडरपल्ला दास टोला निवासी पंकज दास का नाम सामने आया। पुलिस के अनुसार, पंकज का अपने मामा के साथ जमीन को लेकर विवाद चल रहा था।

राउरकेला के मुख्य मार्ग अंधेरे में: पानपोष ब्रिज से बसंती कॉलोनी तक स्ट्रीट लाइट व्यवस्था पर सवाल

EM-जीएम ब्लॉक समेत कई प्रमुख रास्तों पर लाइटें बंद, कई पोलों से बल्ब गायब; रात में राहगीरों और वाहन चालकों की सुरक्षा को लेकर चिंता

रिपोर्ट ड़ा राजकुमार यादव परिवहन विशेष समाचार पत्र राउरकेला

राउरकेला शहर में प्रवेश करने वाले प्रमुख मार्गों पर स्ट्रीट लाइट व्यवस्था की बर्दाहल स्थिति अब नागरिक सुरक्षा से जुड़ा गंभीर सवाल बनती जा रही है। पानपोष ब्रिज से लेकर बसंती कॉलोनी के EM और GM ब्लॉक सहित कई महत्वपूर्ण मार्गों पर राउरकेला महानगर निगम की स्ट्रीट लाइटें लंबे समय से बंद होने की शिकायत सामने आ रही है।

मुख्य मार्ग होने के बावजूद कई स्थानों पर स्ट्रीट लाइट के बल्ब गायब हैं, जबकि कुछ पोलों पर बिजली आपूर्ति नहीं होने के कारण पूरी सड़क अंधेरे में डूबी रहती है। शाम के बाद इन रास्तों से गुजरने वाले दोपहिया

वाहन चालकों, पैदल यात्रियों और स्थानीय निवासियों को विशेष परेशानी का सामना करना पड़ता है।

मुख्य मार्ग, लेकिन रोशनी की व्यवस्था कमजोर

पानपोष ब्रिज राउरकेला के महत्वपूर्ण प्रवेश मार्गों में शामिल है। इसके अलावा बसंती कॉलोनी के EM-जीएम ब्लॉक तथा आसपास के संपर्क मार्गों पर भी पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं होने से रात के समय दृश्यता प्रभावित होती है।

नागरिकों का सवाल है कि यदि शहर के प्रमुख और व्यस्त मार्गों पर ही स्ट्रीट लाइटें काम नहीं कर रही हैं, तो महानगर निगम की स्ट्रीट लाइटों के रखरखाव, निरीक्षण और शिकायत निवारण की व्यवस्था कितनी प्रभावी है?

दुर्घटना और अपराध की आशंका

अंधेरे मार्गों पर वाहन चलाने में दृश्यता कम होने से दुर्घटना का जोखिम बढ़ सकता है। वहीं सुनसान

और अपर्याप्त रोशनी वाले हिस्से पैदल यात्रियों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी असुविधाजनक हो सकते हैं।

ऐसे में आवश्यक है कि राउरकेला महानगर निगम संबंधित क्षेत्रों का तत्काल भौतिक निरीक्षण कर खराब लाइटों को दुरुस्त करें, गायब बल्बों को लुगाए और जहां विद्युत आपूर्ति बाधित है, वहां तकनीकी समस्या का समाधान करे।

सवाल सिर्फ स्ट्रीट लाइट का नहीं, जवाबदेही का है

शहर को स्मार्ट और आधुनिक बनाने की योजनाओं के बीच बुनियादी नागरिक सुविधा के रूप में स्ट्रीट लाइटों का लुगाए और जहां प्राथमिकता होनी चाहिए। अब देखना यह है कि महानगर निगम इस समस्या को केवल शिकायत के रूप में लेता है या पानपोष ब्रिज, बसंती कॉलोनी और अन्य प्रमुख मार्गों का व्यापक सर्वे कर स्थायी समाधान सुनिश्चित करता है।



एनसीसी प्रशिक्षण शिविर के सातवें दिवस पर कैडेट्स ने सीखे अनुशासन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के गुर



रिपोर्ट सतीश कुमार मिश्रा कर्नल, कैम्प कमांडेंट, तृतीय हरियाणा कन्वा बटालियन एन सी सी, हिसार/हरियाणा

तृतीय हरियाणा कन्वा बटालियन एन सी सी, हिसार द्वारा 21 सितम्बर से 30 सितम्बर 2026 तक आयोजित 10 दिवसीय एन सी सी प्रशिक्षण शिविर हिन्दू पब्लिक स्कूल, राजगढ़ रोड, चौधरीवास (हिसार) में जारी है। शिविर के अंतर्गत सातवें दिवस की गतिविधियाँ अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी रही।

प्रातः सत्र में कैडेट्स ने शारीरिक प्रशिक्षण में भाग लिया, जिससे उनकी शारीरिक क्षमता एवं फिटनेस स्तर में सुधार हुआ। इसके पश्चात पॉसिंग आउट परेड हेतु फाइनल रिहर्सल का आयोजन किया गया, जिसमें कैडेट्स ने अनुशासन एवं सामंजस्य का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। पी आई स्ट्याफ द्वारा कैडेट्स को स्केल एवं ग्रिड सिस्टम तथा मैप को सैट करने की तकनीकी जानकारी प्रदान की गई, जिससे उनकी मानचित्र वाचन क्षमता में वृद्धि हुई। इसके साथ ही प्राथमिक चिकित्सा के सिद्धांतों एवं विभिन्न प्रकार के घावों के उपचार पर भी विस्तृत जानकारी दी गई।

दोपहर सत्र में एएन ओ द्वारा एक अत्यंत प्रेरणादायक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया,

जिसमें राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इसके अतिरिक्त आपदा प्रबंधन की मूलभूत जानकारी तथा समय प्रबंधन, पारस्परिक संबंध एवं टीम वर्क पर भी एएन ओ द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया गया। सांयकालीन सत्र में कैडेट्स ने वॉलीबॉल एवं निबंध लेखन प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। आज का दिन कैडेटों के लिए अनुशासन, शारीरिक दक्षता, मानचित्र ज्ञान एवं सामाजिक जागरूकता के प्रति उनकी समझ को गहराई प्रदान करने वाला सिद्ध हुआ।

यह प्रशिक्षण शिविर कर्नल सतीश कुमार मिश्रा (कैम्प कमांडेंट) के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है। शिविर में कैप एडजुटेंट सेकंड ऑफिसर लवलीन कौर, सीनियर जी सी आई निशा, सेकंड ऑफिसर पूनम, सेकंड ऑफिसर सुदेश, सुबेदार मेजर सीता राम, सुबेदार टेक सिंह, बलकं रोहित शर्मा, लखवीर सिंह, विकास कुमार, मंगल सिंह एवं अमित नेहरा आदि सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। इस शिविर में तृतीय हरियाणा कन्वा बटालियन एन सी सी हिसार के अन्तर्गत आने वाले विभिन्न विद्यालय व महाविद्यालय के 535 छात्रा कैडेट्स एवं रोहतक ग्रुप के अंतर्गत 11 बटालियन्स के 65 छात्र एवं छात्राएं भाग ले रहे हैं।



बृजेश राय, राउरकेला विधायक, आरसीसीएफ रामस्वामी पी. तथा राउरकेला डीएफओ सह वन्यजीव वार्डन हरिकांत मीना ने संयुक्त रूप से रवीं झंडी दिखाकर किया। दीपती होटल चौक से शुरू हुई रैली रिंग रोड होते हुए इंदिरा गांधी पार्क पहुंची। प्रतिभागियों ने बैनर और प्लेकार्ड के माध्यम से “वन बचाएं, वन्यजीव बचाएं” सहित विभिन्न संदेशों के जरिए लोगों को जागरूक

में 421 मामले में 74,100 रुपये का जुर्माना वसूला गया। स्वच्छता के लिए यह मजबूत नियम अनुपालन व्यवस्था पूर्व तट रेलवे की व्यापक स्वच्छता रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसमें निगरानी, जागरूकता और जनभागीदारी को समान महत्व दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य केवल जुर्माना वसूलना नहीं, बल्कि व्यवहार में बदलाव लाकर रेल परिसरों को स्वच्छ रखने के प्रति अधिक जिम्मेदारी की भावना पैदा करना है। स्वच्छता नियमों के अनुपालन के साथ-साथ पूर्व तट रेलवे ने रेलवे स्टेशनों और रेलवे कॉलोनियों में पेयजल की गुणवत्ता जांच तथा स्वच्छता व्यवस्था को भी मजबूत किया है। इस दिशा में 18 अगस्त से 3 सितंबर 2026 तक एक विशेष अभियान चलाया गया, जिसके दौरान 175 रेलवे स्टेशनों और 160 रेलवे कॉलोनियों में पेयजल की गुणवत्ता की जांच की गई। इस विशेष अभियान के बाद



ज्ञानेश कुमार के बहिष्कार की मांग को लेकर कांग्रेस के 24 घंटे के धरने का तीसरा दिन

मनोरंजन शासमल , स्टेट हेड ओडिशा

भुवनेश्वर : ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी (OPCC) के अध्यक्ष भक्त चरण दास के नेतृत्व में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ज्ञानेश कुमार के बहिष्कार की मांग को लेकर 25 सितंबर की दोपहर से शुरू हुआ कांग्रेस का 24 घंटे का धरना आज तीसरे दिन में पहुंच गया। उल्लेखनीय है कि परसों धरना स्थल पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष श्री दास की अचानक तबीयत खराब हो गई थी, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया था। धरने के तीसरे दिन पूर्व OPCC अध्यक्ष प्रसाद हरिचंदन, पूर्व मंत्री पंचानन कानूनगो, पूर्व विधायक एवं OPCC उपाध्यक्ष संतोष सिंह सालुजा, ललाटेंडू महापात्र, मीडिया विभाग के अध्यक्ष अरविंद दास, भुवनेश्वर जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश जेना, पूर्व कांग्रेस विधायक प्रत्याशी सिद्धार्थ राउतराय, कांग्रेस नेता विश्वजीत दास, OPCC प्रवक्ता रजनी मर्हाति, कांग्रेस नेत्री मंजुश्री कल्पना राउतराय, तरुण मिश्रा, मनोरंजन दास, मिहिर आचार्य, सूर्यकांत जेना सहित कई कांग्रेस नेता और बड़ी संख्या में जिला कांग्रेस के पदाधिकारी धरने पर बैठे। प्रदर्शनकारियों ने मोदी सरकार और निर्वाचन अधिकारी पर “वोट चोरी” को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जब तक निर्वाचन अधिकारी ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते, तब तक धरना जारी रहेगा।